डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उ०प्र०)

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी०ए० द्वितीय वर्ष

(सन् २०१८-१९ की परीक्षा से और उससे आगे.....)

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक हिन्दीकाव्य पूर्णांक : १००

अंक-विभाजन :	व्याख्या	तीन ३० अंक (३x१०)
	लघुउत्तरीय प्रश्न	पाँच ४० अंक (५x८)
	दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) प्रश्न	दो ३० अंक (२x१५)

निर्धारित कवि एवं उनके काव्यांश :

१. मैथिलीशरण गुप्त	:	पाँच कविताएँ
२. जयशंकर प्रसाद	:	'कामायनी' का एक सर्ग
३. सुमित्रानन्दन पंत	:	पाँच कविताएँ
४. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	:	पाँच कविताएँ
५. रामधारी सिंह 'दिनकर'	:	पाँच कविताएँ
६. सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'	:	पाँच कविताएँ

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक हिन्दी कविता

सम्पादक : (१) डॉ० प्रभाकर मिश्र, अध्यक्ष, हिन्दीविभाग, आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी०जी० कालेज, बभनान, गोण्डा।

(२) डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, हेमवतीनन्दन बहुगुणा पी०जी० कॉलेज, लालगंज, प्रतापगढ़

द्रुत-पाठ हेतु - केदारनाथ अग्रवाल , त्रिलोचन शास्त्री और सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन कवियों में से प्रत्येक पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

१. आधुनिक साहित्य	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
२. कविता के नये प्रतिमान	:	डॉ० नामवर सिंह
३. नयी कविता के प्रतिमान	:	डॉ० लक्ष्मीकान्त वर्मा
४. छायावाद	:	डॉ० नामवर सिंह
५. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
६. मैथिलीशरण गुप्त : भारतीय संस्कृति के आख्याता	:	डॉ० उमाकान्त
७. मैथिलीशरण गुप्त का काव्य	:	डॉ० रमा सिंह
८. पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त	:	डॉ० रामधारी सिंह 'दिनकर'
९. प्रसाद का काव्य	:	डॉ० प्रेमशंकर
१०. जयशंकर प्रसाद : व्यक्ति, वस्तु और कला	:	डॉ० रामेश्वरलाल खण्डेवाल
११. महाप्राण निराला	:	डॉ० गंगा प्रसाद पाण्डेय
१२. क्रान्तिकारी कवि निराला	:	डॉ० बच्चन सिंह
१३. छायावाद की सही परख, सही पहचान	:	डॉ० सूर्य प्रसाद दीक्षित
१४. निराला : आत्महन्ता आस्था	:	डॉ० दूधनाथ सिंह
१५. कवि निराला	:	डॉ० आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
१६. हिन्दी में विविध साहित्यिकवाद	:	डॉ० रामसजन पाण्डेय
१७. आधुनिक कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ	:	डॉ० नगेन्द्र
१८. प्रसाद, निराला और 'अज्ञेय'	:	डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
१९. 'अज्ञेय' : सृजन और संघर्ष	:	डॉ० रामकमल राय
२०. 'अज्ञेय' : सौन्दर्य संधारण	:	डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा
२१. 'अज्ञेय' : व्यक्तित्व-विभास	:	डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा
२२. 'अज्ञेय' : कविता यात्रा	:	डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
२३. अज्ञेय की सम्पादन कला	:	डॉ० नलिनकान्त उपमन्यु
२४. प्रयोगवादी काव्यधारा	:	डॉ० रमाशंकर तिवारी
२५. प्रयोगवाद और नयी कविता	:	डॉ० शम्भुनाथ सिंह
२६. अज्ञेय	:	सं० डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
२७. केदारनाथ अग्रवाल	:	डॉ० अजय तिवारी
२८. चालीसोत्तर हिन्दी कविता के हीरक हस्ताक्षर	:	डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा, डॉ० मधु खन्ना एवं डॉ० इला सुकुमार
२९. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	:	डॉ० रामविलास शर्मा
३०. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास-परम्परा	:	डॉ० रामविलास शर्मा
३१. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन	:	डॉ० कुमार विमल
३२. 'निराला' की साहित्यसाधना (तीन खण्ड)	:	डॉ० रामविलास शर्मा
३३. 'कामायनी' के अध्ययन की समस्याएँ	:	डॉ० नगेन्द्र
३४. 'कामायनी' एक पुनर्विचार	:	गजानन माधव मुक्तिबोध
३५. हिन्दी के लोकप्रिय कवि-अज्ञेय	:	सं० डॉ० विद्यानिवास मिश्र
३६. केदारनाथ अग्रवाल	:	डॉ० अजय तिवारी
३७. धूमिल	:	डॉ० अवधेश प्रधान
३८. त्रिलोचन शास्त्री	:	डॉ० रेवती रमण

बी०ए० द्वितीय वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र : हिन्दी कथासाहित्य एवं नवीन गद्य विधाएँ पूर्णांक : १००

अंक-विभाजन : व्याख्या तीन ३० अंक (३x१०)

लघुउत्तरीय प्रश्न पाँच ४० अंक (५x८)

दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) प्रश्न दो ३० अंक (२x१५)

(क) उपन्यास- कर्मभूमि : प्रेमचन्द

अथवा

त्यागपत्र : जैनेन्द्र कुमार

(ख) निर्धारित कहानीकार :

१. जयशंकर प्रसाद
२. प्रेमचन्द
३. अज्ञेय
४. फणीश्वरनाथ रेणु
५. कमलेश्वर
६. भीष्म साहनी
७. अमरकान्त

पाठ्यपुस्तक : कहानी-कुंज

सम्पादक : ~~(१)~~ १. प्रो० हरिशंकर मिश्र, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय।

(२) डॉ० मंजूषा मिश्रा, हिन्दी विभाग, साकेत पी०जी० कालेज, अयोध्या, फैजाबाद।

(ग) निर्धारित नवीन गद्य विधाएँ :

१. रेखाचित्र
२. संस्मरण
३. आत्मकथा
४. यात्रावृत्त
५. डायरी
६. जीवनी

७. साक्षात्कार (भेंट वार्ता)

सम्पादक : (१) डॉ० कामता कमलेश, पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, जे०एस० हिन्दू कालेज, अमरोहा।

(२) डॉ० श्रवण कुमार गुप्त, आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी०जी० कालेज, बभनान-गोण्डा।

द्रुत-पाठ हेतु - शिवमूर्ति, ज्ञानरंजन तथा दूधनाथ सिंह का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

१.	हिन्दी का गद्य-साहित्य	:	डॉ० रामचन्द्र तिवारी
२.	हिन्दी उपन्यास का इतिहास	:	डॉ० गोपालराय
३.	हिन्दी-कहानी का इतिहास	:	डॉ० गोपालराय
४.	अज्ञेय और उनका कथा-साहित्य	:	डॉ० गोपालराय
५.	कहानी, नयी कहानी	:	डॉ० नामवर सिंह
६.	प्रेमचन्द और उनका युग	:	डॉ० रामविलास शर्मा
७.	कहानी : स्वरूप और उनका युग	:	राजेन्द्र यादव
८.	हिन्दी-कहानी : समीक्षा एवं सन्दर्भ	:	डॉ० विवेक राय
९.	हिन्दी-कहानी की शिल्प-विधि का विकास	:	लक्ष्मीनारायण लाल
१०.	हिन्दी-कहानी की रचना-प्रक्रिया	:	डॉ० परमानंद श्रीवास्तव
११.	आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ	:	डॉ० उदयभानु सिंह
१२.	साहित्य-सहचर	:	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
१३.	हिन्दी-साहित्य का इतिहास	:	सम्पा० डॉ० नगेन्द्र

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उ०प्र०)

विस्तृत पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी० ए० भाग दो

(सत्र 2018-19 की परीक्षा से और उससे आगे)

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक हिन्दी काव्य पूर्णांक - 100

निर्धारित कवि एवं उनके काव्यांश :

1- मैथिलीशरण गुप्त - मातृभूमि, मेरी कुटिया में राजभवन मन भाया, वेदने तू भी भली बनी, दोनों ओर प्रेम पलता है, दरसो परसो घन बरसो

2- जयशंकर प्रसाद - 'कामायनी' का लज्जा सर्ग

3- सुमित्रानन्दन पंत - प्रथम रश्मि, नौका विहार, परिवर्तन, आः धरती कितना देती है, ताज

4- सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - जूही की कली, बादल राग-1, जागो फिर एकबार-2 दान, स्नेह निर्झर बह गया है।

5- रामधारी सिंह 'दिनकर' - जनतन्त्र का जन्म, परशुराम की प्रतीक्षा, नेता, आलोक धन्वा, अभिनव मनुष्य (कुरुक्षेत्र का छठाँ सर्ग)

6- सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' - नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, नया कवि : आत्म स्वीकार, साम्राज्ञी का नैवेद्यदान, हिरोशिमा

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक हिन्दी कविता

सम्पादक - (1) डॉ० प्रभाकर मिश्र, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, आ. न. दे. किसान पी. जी. कालेज, बभनान, गोण्डा।

(2) डॉ० कृष्णप्रसाद ओझा, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, हेमवतीनन्दन बहुगुणा पी. जी. कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़।

द्रुतपाठ हेतु - केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन शास्त्री और सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन कवियों में से प्रत्येक पर केवल लघुउत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूलपाठ से ही पूछे जायेंगे।

बी० ए० भाग-2

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी कथासाहित्य एवं नवीन गद्य विधाएँ।

पूर्णांक : 100

(क) उपन्यास- कर्मभूमि : प्रेमचन्द

अथवा

त्यागपत्र : जैनेन्द्र कुमार

(ख) निर्धारित कहानीकार :

1. जयशंकर प्रसाद - आकाशदीप
2. प्रेमचन्द - बूढ़ी काकी
3. अज्ञेय - रोज़
4. फणीश्वरनाथ 'रेणु' - संवदिया
5. कमलेश्वर - नीली झील
6. भीष्म साहनी - चीफ की दावत
7. अमरकान्त - दोपहर का भोजन

पाठ्य पुस्तक : कहानी कुंज

सम्पादक : (1) प्रो० हरिशंकर मिश्र, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

(2) डॉ० मंजूषा मिश्रा, हिन्दी विभाग, साकेत पी०जी० कालेज, अयोध्या फैजाबाद।

(ग) निर्धारित नवीन गद्य विधायें :-

1. रेखाचित्र - बालगोबिन भगत - रामवृक्ष बेनीपुरी
2. संस्मरण - अलोपी - महादेवी वर्मा
3. आत्मकथा - क्या भूलूँ क्या याद करूँ - डॉ० हरिवंशराय 'बच्चन'
4. यात्रावृत्त - चीड़ों पर चाँदनी - निर्मल वर्मा
5. डायरी - डबरे पर सूरज का बिम्ब - गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
6. जीवनी - आवारा मसीहा : दिशाहारा - विष्णु प्रभाकर
7. साक्षात्कार (भेंटवार्ता) - जो अपना आदर्श बेच देता है, खरीदने को कुछ नहीं बचता उसके सामने - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

सम्पादक : (1) डॉ० कमता कमलेश, पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, जे० एस० हिन्दू कालेज, अमरोहा।

(2) डॉ० श्रवण कुमार गुप्त, आ. न. दे. कि. पी. जी. कालेज, बभनान, गोण्डा

द्रुतपाठ हेतु - शिवमूर्ति, ज्ञानरंजन तथा दूधनाथ सिंह का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे। व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूल पाठ से पूछे जायेंगे।